अमर उजाला

सूर्योदय
सुबह 6:10
सूर्यास्त
शाम 6:20
स्थानीय समयानुसार

36.8° 26°
temperature
अगले 7 दिनों का पूर्वानुमान देखें-
amarujala.com/weather

रोहतक | वीरवार | 21.09.2023
भाद्रपद, शुक्ल पक्ष,षष्ठी, विक्रम संवत 2080
amarujala.com/sonipat

सोनीपत

सम्मेलन 21 से 23 सितंबर तक पोषण व आर्थिक सुरक्षा के लिए निफ्टम कुंडली में आयोजित होगा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

निफ्टम में आज से श्री अन्न सम्मेलन का आगाज

संवाद न्यूज एजेंसी

सोनीपत। राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टम), कुंडली की तरफ से 21 से 23 सितंबर तक 'श्री अन्न' (मिलेट्स) पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। निफ्टम के निदेशक डॉ. हरिंद्र सिंह ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को 'श्री अन्न वर्ष' घोषित किया है। इसके दृष्टिगत अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

डॉ. हरिंदर सिंह ने बताया कि सम्मेलन के दौरान श्री अन्न के टिकाऊ उत्पादन की चुनौतियों का समाधान करना, फसल कटाई से पहले और बाद की समस्याएं, मूल्य संवर्द्धन, श्री अन्न आधारित पारंपरिक और व्यावसायिक खाद्य उत्पाद, मूल्यीकरण के लिए उभरती प्रौद्योगिकी, नए बाजार के अवसरों की तलाश, पोषण प्राप्त करने के लिए नीतिगत पहल और आर्थिक सुरक्षा विषयों पर मंथन होगा।

अंतरराष्ट्रीय श्री अन्न सम्मेलन की जानकारी देते निफ्टम-कुंडली के निदेशक डॉ. हरिंदर सिंह ओबेरॉय। स्रोत : संस्थान

उन्होंने बताया कि सम्मेलन में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और जल शक्ति राज्य मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल अतिथि शिरकत करेंगे।

सम्मेलन में भारत में विभिन्न दूतावासों के राजदूत और उच्चायुक्त, सचिव, भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव और संयुक्त सचिव, संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य एवं कृषि संगठन के प्रतिनिधि, विश्व बैंक और अर्ध शुष्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीआरआईएसएटी) अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

इसके अलावा, अमेरिका, कनाडा, इंडोनेशिया, सर्बिया, अर्जेंटीना, युगांडा, केन्या, नेपाल और बांग्लादेश सहित 12 विभिन्न देशों के 50 कुलपति और संस्थान, वैज्ञानिक, शिक्षाविद और प्रतिनिधि, हिंदुस्तान यूनीलीवर लिमिटेड (एचयूएल), नेस्ले, टाटा कंज्यूमर्स सहित खाद्य उद्योग संघ और संगठन भी इस सम्मेलन में सक्रिय रूप से भाग लेंगे। सम्मेलन में नौ तकनीकी सत्र शामिल होंगे, जिसमें श्री अन्न प्रदर्शनी, कुकरी शो और शेफ टॉक, 'श्री अन्न' रेसिपी प्रतियोगिता, 'श्री अन्न' विचारधारा हैकाथॉन, नुक्कड़ नाटक, बी टू बी मीट शामिल होंगे।

डॉ. हरिंदर सिंह ने बताया कि तीन दिवसीय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि 'श्री अन्न' की लोकप्रियता फिर से हासिल हो और उसकी विविधता, उसके अमूल्य पोषक गुणों, पर्यावरणीय लाभ और स्वस्थ समाज की दिशा में उसकी भूमिका पर सामाजिक चेतना और जागरूकता लाई जा सके।

नई दिल्ली, गुरुवार, 21 सितंबर, 2023

जागरण सिटी

दैनिक जागरण

सोनीपत

शहर की सड़कों का निर्माण शुरू कर दिया है : प्रशांत कौशिक ||| www.jagran.com

पुस्तकों से मिले ज्ञान को कोई नहीं बांट सकता : प्रो. सुदेश |||

श्रीअन्न सम्मेलन में कई देशों के प्रतिनिधि ले रहे भाग

जागरण संवाददाता, सोनीपत: पोषण और आर्थिक सुरक्षा प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम), कुंडली में 21 से 23 सितंबर तक श्रीअन्न (मिलेट्स) पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। निफ्टेम संस्थान के निदेशक डा. हरिंदर सिंह ने बताया कि सम्मेलन में श्रीअन्न के टिकाऊ उत्पादन की चुनौतियों का समाधान करना, फसल कटाई से पहले और बाद की समस्याएं, मूल्य संवर्द्धन, श्रीअन्न आधारित पारंपरिक और व्यावसायिक खाद्य उत्पाद, मूल्यीकरण के लिए उभरती प्रौद्योगिकियां, नए बाजार के अवसरों की तलाश एवं पोषण प्राप्त करने के लिए नीतिगत पहल और आर्थिक सुरक्षा विषयों पर मंथन होगा।

डा. हरिंदर सिंह

सम्मेलन में भारत में विभिन्न दूतावासों के राजदूत और उच्चायुक्त, सचिव, भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव और संयुक्त सचिव, संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य एवं कृषि संगठन के प्रतिनिधि, विश्व बैंक और अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थानों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। इसके अलावा, अमेरिका, कनाडा, इंडोनेशिया, सर्बिया, अर्जेंटीना, युगांडा, केन्या, नेपाल और बांग्लादेश सहित 12 विभिन्न देशों के लगभग 50 कुलपति और संस्थान, वैज्ञानिक, शिक्षाविद और प्रतिनिधि, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल), नेस्ले, टाटा कंज्यूमर्स सहित खाद्य उद्योग संघ और संगठन भी इस सम्मेलन में सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

सम्मेलन में नौ तकनीकी सत्र शामिल होंगे, जिसमें श्रीअन्न प्रदर्शनी, कुकरी शो और शेफ टाक, श्रीअन्न रेसिपी प्रतियोगिता, श्रीअन्न विचारधारा हैकाथान, नुकड़-नाटक, बी टू बी मीट जैसे कार्यक्रम होंगे।

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, गुरुवार, 21 सितंबर, 2023

निफ्टेम में अंतराष्ट्रीय श्री अन्न सम्मेलन आज से

राई। पोषण और आर्थिक सुरक्षा प्राप्त करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय महत्व के संस्थान राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम), कुंडली द्वारा 21 से 23 सितंबर तक श्री अन्न (मिलेट्स) पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

जानकारी देते हुए निफ्टेम संस्थान के निदेशक डॉ. हरिन्दर सिंह ने आगे बताया कि सम्मेलन में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और जल शक्ति राज्य मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल की गरिमामयी उपस्थिति होगी। सम्मेलन में भारत में

■ सम्मेलन में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और जल शक्ति राज्य मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल शिरकत करेंगे

विभिन्न दूतावासों के राजदूत और उच्चायुक्त, सचिव, भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव और संयुक्त सचिव, संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य एवं कृषि संगठन के प्रतिनिधि, विश्व बैंक और अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीआरआईएसएटी) आदि अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराएंगे। इसके अलावा, अमेरिका, कनाडा, इंडोनेशिया, सर्बिया, अर्जेंटीना, युगांडा, केन्या, नेपाल और बांग्लादेश सहित 12 विभिन्न देशों के लगभग 50 कुलपति और संस्थान, वैज्ञानिक, शिक्षाविद और प्रतिनिधि, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल), नेस्ले, टाटा कंज्यूमर्स सहित खाद्य उद्योग संघ और संगठन भी इस सम्मेलन में सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

तीन दिवसीय सममेलन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि श्री अन्न की लोकप्रियता फिर से हासिल हो और श्री अन्न की विविधता, उनके अमूल्य पोषक गुणों, पर्यावरणीय लाभ और स्वस्थ समाज की दिशा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका आदि पर सामाजिक चेतना और जागरूकता लाई जा सके।

सोनीपत भास्कर

सोनीपत, गुरुवार, 21 सितंबर, 2023 गोहाना • गन्नौर खरखौदा • राई dainikbhaskar.com

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आज से निफ्टम में, 12 देशों के प्रतिनिधि लेंगे हिस्सा

भास्कर न्यूज | सोनीपत

राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम), कुंडली द्वारा 21 से 23 सितंबर तक श्री अन्न पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन होगा। निफ्टेम संस्थान के निदेशक डॉ. हरिन्दर सिंह ने बताया कि इस सम्मेलन के दौरान श्री अन्न के टिकाऊ उत्पादन की चुनौतियों का समाधान करना, फसल कटाई से पहले और बाद की समस्याएं, मूल्य संवर्द्धन, श्री अन्न आधारित पारंपरिक और व्यावसायिक खाद्य उत्पाद, मूल्यीकरण के लिए उभरती प्रौद्योगिकियां, नए बाजार के अवसरों की तलाश एवं पोषण प्राप्त करने के लिए नीतिगत पहल और आर्थिक सुरक्षा आदि विषयों पर गहन विचार-मंथन होगा।

इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत में विभिन्न दूतावासों के राजदूत और उच्चायुक्त, सचिव, भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव और संयुक्त सचिव, संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य एवं कृषि संगठन के प्रतिनिधि, विश्व बैंक और अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीआरआईएसएटी) आदि अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। इसके अलावा, अमेरिका, कनाडा, इंडोनेशिया, सर्बिया, अर्जेंटीना, युगांडा, केन्या, नेपाल और बांग्लादेश सहित 12 विभिन्न देशों के लगभग 50 कुलपति और संस्थान, वैज्ञानिक, शिक्षाविद और प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

सोनीपत केसरी
THURSDAY, 21 SEPTEMBER 2023

निफ्टेम में पोषण व आर्थिक सुरक्षा विषय पर सम्मेलन आज से, केंद्रीय मंत्री होंगे शामिल

सोनीपत, 20 सितम्बर (ब्यूरो): पोषण और आर्थिक सुरक्षा प्राप्त करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के संस्थान राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम), कुंडली द्वारा 21 से 23 सितम्बर तक श्री अन्न (मिलेट्स) पर 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2023 को श्री अन्न वर्ष घोषित किया गया है, जिसके दृष्टिगत निफ्टेम में इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

यह जानकारी देते हुए निफ्टेम संस्थान के निदेशक डा. हरिन्दर सिंह ने बताया कि इस सम्मेलन दौरान श्री अन्न के टिकाऊ उत्पादन की चुनौतियों का समाधान करना, फसल कटाई से पहले और बाद की समस्याएं, मूल्य संवर्द्धन, श्री अन्न आधारित पारंपरिक और व्यावसायिक खाद्य उत्पाद, मूल्यीकरण के लिए उभरती प्रौद्योगिकियां, नए बाजार के अवसरों की तलाश एवं पोषण प्राप्त करने के लिए नीतिगत पहल और आर्थिक सुरक्षा आदि विषयों पर गहन विचार-मंथन होगा।

इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री पशुपति कुमार पारस, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और जल शक्ति राज्य मंत्री श्री प्रह्लाद सिंह पटेल भी मुख्यातिथि के रूप में शामिल होंगे।

सम्मेलन में भारत में विभिन्न दूतावासों के राजदूत और उच्चायुक्त, सचिव, भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव और संयुक्त सचिव, संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य एवं कृषि संगठन के प्रतिनिधि, विश्व बैंक और अर्द्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (आई.सी.आर. आई.एस. ए.टी.) आदि अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

इसके अलावा, अमरीका, कनाडा, इंडोनेशिया, सर्बिया, अर्जेंटीना, युगांडा, केन्या, नेपाल और बंगलादेश सहित 12 विभिन्न देशों के लगभग 50 कुलपति और संस्थान, वैज्ञानिक, शिक्षाविद् और प्रतिनिधि, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एच.यू.एल.), नैस्ले, टाटा कंज्यूमर्स सहित खाद्य उद्योग संघ और संगठन भी इस सम्मेलन में सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

पाठक एवं एजेंट नोट करें
पंजाब केसरी, जग बाणी एवं हिंद समाचार में विज्ञापन, सर्कुलेशन व अन्य समस्याओं संबंधी
Email : jagbani@pkesari.in
WhatsApp : 78888-97760
पर सम्पर्क करें।

सोनीपत केसरी

FRIDAY, 22 SEPTEMBER 2023 | सूर्यास्त (आज) 06.19 | सूर्योदय (कल) 06.10 | अगले 24 घंटों के दौरान साफ रहेगा।

मोटे अनाजों को विश्व स्तर पर दिलवाई जा रही पहचान, जी-20 में विदेशियों ने चखा स्वाद : प्रो. सूद

भारत सरकार में प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद ने निफ्टम में मिलेट्स पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

निफ्टम में औद्योगिक इकाइयों ने भी लगाई प्रदर्शनी, 23 तक चलेगा सम्मेलन

सोनीपत, 21 सितम्बर (ब्यूरो): खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कुण्डली स्थित राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टम) में मिलेट्स (मोटा अनाज) को पोषण और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ गुरुवार को बतौर मुख्यातिथि भारत सरकार में प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद ने किया।

उन्होंने सम्मेलन में उपस्थित राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय मोटे अनाजों को विश्व स्तर पर अलग पहचान देने के लिए केन्द्र सरकार अनेक प्रयास कर रही है। आज उसी प्रयास की एक झलक आपको निफ्टम में दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर मोटे अनाजों की बहुत ज्यादा डिमांड है इसलिए देश के उद्योगपति और किसान इस क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रयास करें ताकि वह आर्थिक रूप से मजबूत हो सकें।

निफ्टम में मोटे अनाज से बने उत्पाद के बारे में जानकारी लेते प्रो. अजय सूद व अन्य।

प्रो. सूद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से ही आज पूरा विश्व 2023 को मिलेट्स वर्ष के रूप में मना रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए जी-20 सम्मेलन दौरान देश के विभिन्न शहरों में आयोजित 220 कार्यक्रमों में भारतीय मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए विदेशी प्रतिनिधियों ने भारतीय मोटे अनाजों से बने व्यंजनों का स्वाद चखा। इस दौरान सभी विदेशी प्रतिनिधियों ने मोटे अनाजों से बने भारतीय व्यंजनों की जमकर तारीफ की। मिलेट्स की 2 व्यापक श्रेणियां हैं- मेजर या मुख्य मिलेट्स और माइनर या छोटे मिलेट्स बाजरा, ज्वार, रागी और कंगनी मुख्य मिलेट्स की श्रेणी में आते हैं और समा, कोदो, चिन्ना इत्यादि को छोटे मिलेट्स माना जाता है। उन्होंने बताया कि हर एक मिलेट का अपना महत्व है जैसे कि बाजरा, कैल्शियम से भरा होता है, ज्वार में पोटाशियम और फास्फोरस होता है और कंगनी में फाइबर होता है।

उद्योगपतियों की प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

प्रो. अजय कुमार सूद ने मिलेट्स के क्षेत्र में कार्य कर रहे किसान व उद्योगपतियों द्वारा निफ्टम में लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए अवलोकन किया। मिलेट्स पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के पौधों की किस्मों और किसानों के अधिकार संरक्षण प्राधिकरण के चेयरमैन डा. त्रिलोचन महापात्रा ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा इसी वर्ष लोगों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए देश में मोटे अनाजों को बढ़ावा देने तथा भारत को पूरे विश्व में सबसे बड़ा अनाज निर्यातक देश बनाने के लिए श्री अन्न योजना की शुरूआत की गई है। कार्यक्रम के अंत में मिलेट्स पर आधारित मिलेट मार्वल पुस्तक तथा संस्थान पत्रिका का भी विमोचन किया गया। इस मौके पर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त सचिव प्रीतपाल सिंह, निफ्टम संस्थान के निदेशक डा. हरेन्द्र सिंह ओबराय, निफ्टम की प्रोफैसर डा. अनुपमा सिंह सहित अनेक देशों से आए प्रतिनिधि व निफ्टम में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं व शिक्षक मौजूद रहे।

अमर उजाला

सूर्योदय सुबह 6:11
सूर्यास्त शाम 6:19
स्थानीय समयानुसार

37.1° temperature 27.1°

अगले 7 दिनों का पूर्वानुमान देखें- amarujala.com/weather

04

रोहतक | शुक्रवार | 22.09.2023
भाद्रपद, शुक्ल पक्ष, सप्तमी, विक्रम संवत 2080

amarujala.com/sonipat

सोनीपत

विश्व में मोटे अनाज की मांग अधिक : प्रो. सूद

निफ्टम में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रीअन्न सम्मेलन का प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद ने किया शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

सोनीपत। कुंडली स्थित राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टम) में मिलेट्स (मोटा अनाज) को पोषण व आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का वीरवार को आगाज किया गया। सम्मेलन का शुभारंभ मुख्यातिथि भारत सरकार में प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के संयुक्त सचिव प्रीतपाल सिंह, पौध किस्म एवं किसान अधिकार संरक्षण प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. त्रिलोचन महापात्रा व निफ्टम संस्थान के निदेशक डॉ. हरिंदर सिंह ओबेरॉय ने किया।

प्रो. सूद ने कहा कि भारतीय मोटे अनाजों को विश्व में अलग पहचान देने के लिए केंद्र सरकार प्रयास कर रही है। इसकी एक झलक निफ्टम में दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि विश्व में मोटे अनाज की बहुत मांग है, इसलिए उद्योगपति और किसान इस क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रयास करें, ताकि वो आर्थिक रूप से मजबूत हो सकें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास से ही आज पूरा विश्व 2023 को मिलेट्स वर्ष के रूप में मना रहा है। हाल ही में हुए जी-20 सम्मेलन के दौरान देश के विभिन्न शहरों में आयोजित 220 कार्यक्रमों में भारतीय मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए विदेशी प्रतिनिधियों ने उनसे बने व्यंजनों का स्वाद चखा और तारीफ की। प्रो. सूद ने कहा कि मोटा अनाज सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते है। अंत में निफ्टम संस्थान के निदेशक डॉ. हरिंदर सिंह ओबेरॉय ने 'मिलेट मार्वल्स' पुस्तक और एक स्मारिका का विमोचन किया। उद्घाटन सत्र में संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य और कृषि संगठन का श्री अन्न के वैश्विक महत्व पर आधारित ऑडियो-विजुअल की प्रस्तुति दी गई।

श्रीअन्न प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्य अतिथि भारत सरकार के वैज्ञानिक सलाहकार डॉ.

प्रदर्शनी का किया अवलोकन

प्रो. अजय कुमार सूद ने मिलेट्स के क्षेत्र में कार्य कर रहे किसान व उद्योगपतियों की तरफ से निफ्टम में लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में श्रीअन्न से बने खाद्य उत्पाद, भोजन एवं अन्य सामग्रियों के स्टाल लगाए गए। साथ ही श्रीअन्न की श्रेणी में शामिल बाजरा, रागी, ज्वार, हरी कंगनी, कोदो, कंगनी आदि को प्रदर्शित किया। प्रो. सूद ने उद्योगपतियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आने वाला समय मिलेट्स के क्षेत्र में भारत का होगा।

जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए करें मोटे अनाज की खेती

देश के पौध किस्म एवं किसानों के अधिकार संरक्षण प्राधिकरण के चेयरमैन डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने कहा कि केंद्र सरकार ने देश में मोटे अनाजों को बढ़ावा देने और भारत को विश्व में सबसे बड़ा अनाज निर्यातक देश बनाने के लिए श्रीअन्न योजना की शुरुआत की है। इससे किसानों को मोटे अनाजों का उत्पादन करने व युवाओं को इस क्षेत्र से जुड़े उद्योगों में आगे बढ़ने का प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि मोटा अनाज मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए तो फायदेमंद है ही, इसके साथ पानी की बचत भी होती है। किसान जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए मोटे अनाजों की खेती करें।

उद्देश्य : श्रीअन्न की लोकप्रियता फिर से हासिल हो : डॉ. हरिंदर सिंह ओबेरॉय ने बताया कि दुनिया खाद्य सुरक्षा और सतत विकास की जटिल चुनौतियों से जूझ रही है। तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि 'श्रीअन्न' की लोकप्रियता फिर से हासिल हो। श्रीअन्न की विविधता, उनके अमूल्य पोषक गुणों, पर्यावरणीय लाभ व स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में सामाजिक चेतना और जागरूकता लाई जा सके।

12 देशों के प्रतिनिधि हुए शामिल

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 12 विभिन्न देशों संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, आयरलैंड, थाईलैंड, कोलंबिया, इंडोनेशिया, युगांडा, सर्बिया, नेपाल के प्रतिनिधि, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त सचिव प्रीतपाल सिंह, निफ्टम की प्रोफेसर डॉ. अनुपमा सिंह सहित उच्च प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के कुलपति, निदेशक, वैज्ञानिक, शिक्षाविद शामिल हुए।

सिटी मौसम
अधिकतम 33.0° सैल्सियस
न्यूनतम 24.0° सैल्सियस
सूर्योदय कल 06.11
सूर्यास्त आज 06.20

हरियाणा सवेरा टाइम्स

दैनिक सवेरा टाइम्स
facebook /dainiksavera
twitter /saveratimes
www.saveratv.in
DAINIK SAVERA TIMES, AMBALA
www.dainiksaveratimes.com

www.dainiksaveratimes.com » अंबाला » यमुनानगर » कुरुक्षेत्र » कैथल » पानीपत » करनाल » लाडवा » फतेहाबाद » जींद

अंबाला, शुक्रवार, 22 सितम्बर 2023

केंद्रीय प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार ने निफ्टम में मिलेट्स पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

कार्यक्रम में लगाई स्टालों का निरीक्षण करते केंद्रीय प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार।

मोटे अनाजों को विश्व स्तर पर अलग पहचान देने के लिए केन्द्र सरकार कर रही है प्रयास : प्रो. सूद

सवेरा न्यूज/योगेश सूद

सोनीपत, 21 सितंबर: खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कुण्डली स्थित राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टम) में मिलेट्स (मोटा अनाज) को पोषण और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ गुरूवार को बतौर मुख्यातिथि भारत सरकार में प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद ने किया।

प्रो. सूद ने सम्मेलन में उपस्थित राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय मोटे अनाजों को विश्व स्तर पर अलग पहचान देने के लिए केन्द्र सरकार अनेक प्रयास कर रही है। आज उसी प्रयास की एक झलक आपको निफ्टम में दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर मोटे अनाजों की बहुत ज्यादा डिमांड है इसलिए देश के उद्योगपति और किसान इस क्षेत्र में आगे बढने का प्रयास करें ताकि वो आर्थिक रूप से मजबूत हो सके।

प्रो. सूद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से ही आज पूरा विश्व 2023 को मिलेट्स वर्ष के रूप में मना रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए जी-20 सम्मेलन के दौरान देश के विभिन्न शहरों में आयोजित 220 कार्यक्र मों में भारतीय मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए विदेशी प्रतिनिधियों ने भारतीय मोटे अनाजों से बने व्यंजनों का स्वाद चखा। राष्ट्रपति द्वारा सम्मेलन में भाग लेने वाले राष्ट्र अध्यक्षों को दिए गए प्रतिभोज में भी भारतीय मोटे अनाजों से बने व्यंजनों को शामिल किया गया। प्रो. सूद ने कहा कि हर व्यक्ति के प्रतिदिन आहार में मोटे अनाजों से व्यंजनों को शामिल करने के लिए दुनिया 2023 को मिलेट्स वर्ष के रूप में मना रही है। इसके पश्चात प्रो. सूद ने मिलेट्स के क्षेत्र में कार्य कर रहे किसान व उद्योगपतियों द्वारा निफ्टम में लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए अवलोकन किया। कार्यक्र म के अंत में मिलेट्स पर आधारित मिलेट् मार्बल पुस्तक तथा संस्थान पत्रिका का भी विमाचन किया गया। इस मौके पर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त सचिव प्रीतपाल सिंह, निफ्टम संस्थान के निदेशक डॉ. हरेन्द्र सिंह ओबराय, निफ्टम की प्रोफेसर डॉ. अनुपमा सिंह सहित अनेक देशों से आए प्रतिनिधि व छात्र-छात्राएं व शिक्षक मौजूद रहे।

मोटे अनाजों से व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ जल संरक्षण को भी मिलता है बढ़ावा : डॉ. महापात्रा

मिलेट्स पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के पौधों की किस्मों और किसानों के अधिकार संरक्षण प्राधिकरण के चेयरमैन डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा इसी वर्ष लोगों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए देश में मोटे अनाजों को बढ़ावा देने तथा भारत को पूरे विश्व में सबसे बड़ा अनाज निर्यातक देश बनाने के लिए श्री अन्न योजना की शुरूआत की गई है। ताकि हमारे किसानों को मोटे अनाजों का उत्पादन करने तथा हमारे युवाओं को इस क्षेत्र से जुड़े उद्योगों में आगे बढ़ने का प्रोत्साहन मिल सके।

सोनीपत भास्कर

पानीपत, शुक्रवार, 22 सितंबर, 2023 गोहाना • गन्नौर खरखौंदा • राई dainikbhaskar.com

सम्मेलन • निफ्टेम कुंडली में श्रीअन्न में शामिल बाजरा, रागी, ज्वार, हरी कंगनी, संवा और कोडो की रेसिपी पर लगाई प्रदर्शनी

श्रीअन्न मिनेट्स सम्मेलन में कुकरी शो, शेफ ने बनाए स्वादिष्ट व्यंजन

भास्कर न्यूज. राई |

राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम) कुंडली में गुरुवार को तीन दिवसीय श्रीअन्न (मिलेट्स) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का रंगारंग आगाज हुआ। खास तौर पर श्रीअन्न की श्रेणी में शामिल बाजरा, रागी, ज्वार, हरी कंगनी, संवा, कोडो, कंगनी आदि अनाज उनके महत्व दर्शाती प्रदर्शनी लगाई गई। 12 विभिन्न देशों से प्रतिनिधि इसमें शामिल हुए हैं। चावल और गेहूं के आटा के रूटिन के अलावा भोजन में श्री अन्न की श्रेणी वाले अनाज को शामिल करने से शरीर को अहम पौष्टिकता मिलती है। इस तरह के अन्न की पौष्टिकता,

निफ्टम कुंडली में इंटरनेशनल सम्मेलन में निरीक्षण करते मुख्यअतिथि।

बाजारी समीक्षा और भविष्य की संभावनाओं पर भी तीन दिन विशेषज्ञ चर्चा करेंगे।

संस्थान के निदेशक डॉ. हरिन्द्र सिंह ओबेरॉय व कुलसचिव जोगेंद्र सिंह राणा ने स्वागत किया। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. अजय सूद, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के संयुक्त सचिव प्रीत पाल सिंह, पौध किस्म और किसान अधिकार संरक्षण प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने मिलेट्स पर अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्षता निफ्टेम संस्थान के निदेशक डॉ. हरिन्द्र सिंह ओबेरॉय ने की। सम्मेलन में 12 विभिन्न देशों संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, आयरलैण्ड, थाईलैण्ड, कोलम्बिया, इंडोनेशिया, युगांडा, सर्बिया, नेपाल के प्रतिनिधि उच्च प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के कुलपति, निदेशक, वैज्ञानिक, शिक्षाविद शामिल शामिल हुए। डॉ. हरिन्द्र सिंह ओबेरॉय द्वारा संपादित पुस्तक 'मिलेट मार्वल्स' और एक स्मारिका का विमोचन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि भारत सरकार के वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. अजय सूद ने किया।

भविष्य की बाजारी संभावनाओं पर चर्चा

प्रदर्शनी के दौरान श्रीअन्न से बने खाद्य उत्पाद, भोजन एवं अन्य सामग्रियों के अनेक स्टॉल लगाए गए हैं। तीन दिन के दौरान कुल नौ तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें श्री अन्न के टिकाऊ उत्पादन की चुनौतियों का समाधान करना, फसल कटाई से पहले और बाद की समस्याएं, मूल्य संवर्द्धन, श्री अन्नआधारित पारंपरिक और व्यावसायिक खाद्य उत्पाद, मूल्यीकरण के लिए उभरती प्रौद्योगिकियां, नए बाजार के अवसरों की तलाश पर चर्चा होगी। पोषण प्राप्त करने के लिए नीतिगत पहल और आर्थिक सुरक्षा आदि विषयों पर गहन विचार-मंथन होगा।

विशेषज्ञ शेफ ने चखाया अपने व्यंजनों का जायका

कुकरी शो के दौरान उपस्थित लोगों ने शेफ विमलधर और डॉ. शेफ संगीता धर ने श्री अन्न से व्यंजन बनाए। यहां पंहुचे लोगों ने अलग-अलग व्यंजनों का जायका चखा। संस्थान के निदेशक डॉ. हरिन्द्र सिंह ओबेरॉय ने बताया कि दुनिया खाद्य सुरक्षा और सतत विकास की जटिल चुनौतियों से जूझ रही है। इस सम्मेलन का उद्देश्य यह है कि 'श्री अन्न' की लोकप्रियता फिर से हासिल हो।

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 22 सितंबर, 2023

मोटे अनाजों को विश्व स्तर पर अलग पहचान देने के लिए सरकार कर रही प्रयास

- निफ्टम में मिलेट्स पर आयोजित सम्मेलन का प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार ने किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राई

सोनीपत। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्यातिथि भारत सरकार में प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद दीप जलाकर शुभारम्भ करते। *फोटो:हरिभूमि*

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कुण्डली स्थित राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टम) में मिलेट्स (मोटा अनाज) को पोषण और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन का शुभारंभ गुरूवार को बतौर मुख्यातिथि भारत सरकार में प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद ने किया। प्रो. अजय कुमार सूद ने सम्मेलन में उपस्थित राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों का स्वागत करते कहा कि भारतीय मोटे अनाजों को विश्व स्तर पर अलग पहचान देने के लिए केन्द्र सरकार अनेक प्रयास कर रही है। आज उसी प्रयास की एक झलक आपको निफ्टम में दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर मोटे अनाजों की बहुत ज्यादा डिमांड है इसलिए देश के उद्योगपति और किसान इस क्षेत्र में आगे बढने का प्रयास करें ताकि वो आर्थिक रूप से मजबूत हो सके। प्रो. सूद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से ही आज पूरा विश्व 2023 को मिलेट्स वर्ष के रूप में मना रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए जी-20 सम्मेलन के दौरान देश के विभिन्न शहरों में आयोजित 220 कार्यक्रमों में भारतीय मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए विदेशी प्रतिनिधियों ने भारतीय मोटे अनाजों से बने व्यंजनों का स्वाद चखा। इस दौरान सभी विदेशी प्रतिनिधियों ने मोटे अनाजों से बने भारतीय व्यंजनों का जमकर तारीफ की। यही नहीं हाल में जी-20 के दौरान राष्ट्रपति द्वारा सम्मेलन में भाग लेने वाले राष्ट्र अध्यक्षों को दिए गए प्रतिभोज में भी भारतीय मोटे अनाजों से बने व्यंजनों को शामिल किया गया। कार्यक्रम के अंत में मिलेट्स पर आधारित मिलेट् मार्वल पुस्तक तथा संस्थान पत्रिका का भी विमाचन किया गया। इस मौके पर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त सचिव प्रीतपाल सिंह, निफ्टम संस्थान के निदेशक डा. हरेन्द्र सिंह ओबराय, निफ्टम की प्रोफेसर डा. अनुपमा सिंह सहित अनेक देशों से आए प्रतिनिधि व निफ्टम में पढ़ने वाले छात्र व शिक्षक मौजूद रहे।

दुनिया मिलेट्स वर्ष मना रही : प्रो. सूद

प्रो. सूद ने कहा कि हर व्यक्ति के प्रतिदिन आहार में मोटे अनाजों से व्यंजनों को शामिल करने के लिए दुनिया 2023 को मिलेट्स वर्ष के रूप में मना रही है। उन्होंने कहा कि मिलेट्स सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। मिलेट्स की दो व्यापक श्रेणियां हैं मेजर या मुख्य मिलेट्स और माइनर या छोटे मिलेट्स. बाजरा, ज्वार, रागी और कंगनी मुख्य मिलेट्स की श्रेणी में आते हैं और सामा, कोदो, चिन्ना इत्यादि को छोटे मिलेट्स माना जाता है। उन्होंने बताया कि हर एक मिलेट का अपना महत्व है जैसे कि बाजरा, कैल्शियम से भरा होता है, ज्वार में पोटेशियम और फास्फोरस होता है, और कंगनी में फाइबर होता है जबकि कोदो आयरन से भरपूर होता है। इसलिए हमें सभी तरह के मिलेट्स खाते रहना चाहिए।

प्रदर्शनी का शुभारंभ करते अवलोकन किया: प्रो अजय कुमार सूद ने मिलेट्स के क्षेत्र में कार्य कर रहे किसान व उद्योगपतियों द्वारा निफ्टम में लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने उद्योगपतियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आज मुझे खुशी का अहसास ही नहीं पूर्ण विश्वास हो गया है कि मिलेट्स के क्षेत्र में आने वाला समय भारत का होगा। क्योंकि हमारे किसान व उद्योगपति मिलेट्स के जिस प्रकार की गुणवत्ता के साथ व्यंजन बना रहे है वो कहीं भी नहीं है।

नं. 1 दिल्ली हरियाणा पंजाब हिमाचल

आपकी नजर हम पर, हमारी नजर सब पर

रविवारीय सत्यकेसरी

कुंडली सोनीपत में 21 से 23 सितंबर तक पोषण और आर्थिक सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय 'श्रीअन्न' सम्मेलन

सोनीपत सत्य केसरी (डॉक्टर मल्होत्रा)

सोनीपत के कुंडली में स्थित (निफ्टम) राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन के संस्थान में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारम्भ हुआ। साल 2023 को श्रीअन्न वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो.अजय कुमार सूद भारत सरकार के प्रिंसिपल साईंटिफिक एडवाइजर ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया साथ ही निफ्टम द्वारा लगाए गए मोटे अनाज के प्रोडक्ट्स स्टॉल्स कक्ष का उद्घघाटन भी किया ।

भारत समेत 12 विभिन्न देशों के राजदूत, उच्चायुक्त और प्रतिष्ठित संस्थानों ने कुलपति,वैज्ञानिक शामिल हुए और कार्यक्रम की सरहाना की है।

निफ्टम के निदेशक डॉक्टर हरिंदर एस ओबेराय ने इस अवसर पर कहा देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी मोटे अनाज को बढ़ावा देने के साथ किसानो की आय को दोगुना करने वा सफल उद्यमी के तौर पर आगे बढ़ने का सरहनीय प्रयास कर रहे है।

यह उन्ही की कोशिश है जो मिल्लेट यानि मोटे अनाज को देश विदेश में इतना बढ़ावा मिला है

प्रो अजय कुमार सूद ने बताया हाल में ही जी 20 सम्मेलन में भी 220 से ज्यादा मीटिंग हुई थी और सभी मीटिंग में मोटे अनाज का खाना मेहमानों को परोसा गया जिसकी खूब सराहना हुई ।

उन्होंने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मोटे अनाज को प्रमोट करने के लिए सरकार कदम उठा रही है और वहीं इससे किसान से लेकर उद्यमीयो को अंतराष्ट्रीय बाजार मिल रहा है ।

प्रो सूद के अनुसार निफ्टम के माध्यम से युवाओं को आगे बढ़ाने के सुनहरे अवसर हैं। यहां तक की युवा नए-नए स्टार्टअप कर रहे हैं और जिसके कारण अन्य लोगों को भी रोजगार मिल रहा है। आज का युवा नौकरी मांग नहीं रहा बल्कि नौकरी दे रहा है।

डॉक्टर त्रिलोचन महापात्रा चेयरमैन पीपीवीएफआरए का कहना है देश में मोटे अनाज के प्रयोग से कुपोषण से बचा जा सकता है क्योंकि श्रीअन्न यानी मोटे अनाज न्यूट्रीशन वैल्यू बहुत अधिक होती है । श्रीअन्न का प्रयोग करने से देश में कुपोषण खत्म होगा। उन्होंने कहा है जलवायु परिवर्तन के चलते आम फसलों के लिए जितना पानी की आवश्यकता है उतना पानी उपलब्ध नहीं हो पाता जबकि मोटे अनाज को उगाने के लिए कम पानी की आवश्यकता होती है। धान की खेती में 2000 से 5000 लीटर पानी की आवश्यकता होती है।वहीं मोटे अनाज उगाने में बहुत कम पानी की आवश्यकता होती है।

देश में ही नहीं बल्कि विदेश में भी मोटे अनाज की खपत होगी और इससे किसान को सर्वाधिक लाभ होगा।

निफ्टम में जिस प्रकार की प्रोसेसिंग होती है यहां पर आधुनिक टेक्नोलॉजी के माध्यम से नए आयाम स्थापित हुए हैं।आज के युवा को जोड़ना है और इस कांफ्रेंस का उद्देश्य भी यही है।

देश-विदेश से आए हुए डेलीगेट से इसकी चर्चा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करेंगे और इससे इंडस्ट्री बढ़ेगी,

निफ्टम के डायरेक्टर डॉक्टर हरिन्दर एस ओबराय ने बताया तीन दिवसीय कार्यक्रम में 9 तकनीकी सत्र है। सभी में अलग-अलग टॉपिक पर चर्चा होगी। अलग-अलग संस्थाओं के कुलपति और प्रशासक पहुंचे हैं। वही मोटे अनाज की उत्पादन, प्रोसेसिंग बढ़ाने पर चर्चा हो रही है। आम आदमी के लिए इसे फ्रेंडली बनाने के लिए भी चर्चा हो रही है। वही निफ्टम मोटे अनाज से प्रोडक्ट बनाने से लेकर लजीज बनाने तक महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

डायरेक्टर ने यह भी बताया किसानों को केवल किसानी तक सीमित नहीं रखना है बल्कि उन्हें उद्यमी भी बनाना है।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत उद्योगों को भी यहां पर ट्रेनिंग दी जाएगी। और यहीं से शिक्षा पाएं उद्यमी अपने प्रोडक्ट तैयार करके बाजार में बेच रहे हैं। वही उधमियों को ब्रांड प्रमोशन से लेकर बाहर बेचने तक निफ्टम मदद करता है।

वर्षों से राष्ट्र की सेवा में समर्पित

वीर अर्जुन

विविध : कृति के लुक को देख डाइगर ने दिया रिएक्शन * नई दिल्ली, लखनऊ एवं देहरादून से प्रकाशित

वर्ष : 39, अंक : 292 पृष्ठ : 12 E-mail : dailyvirarjun@gmail.com Website : www.virarjun.com E-Paper : www.epapervirarjun.com

R.N.I. No. 511/5 D.L.(C)-05/1270/2021-23 (Posted at Delhi RMS) नई दिल्ली, शुक्रवार, 22 सितम्बर, 2023 मूल्य : ₹ 4.00 प्रथम संस्करण

भारत सरकार में प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार ने मिलेट्स पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का किया

सोनीपत (राजेश आहूजा)। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कुण्डली स्थित राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टम) में मिलेट्स (मोटा अनाज) को पोषण और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ गुरूवार को बतौर मुख्यातिथि भारत सरकार में प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार प्रो0 अजय कुमार सूद ने किया।

प्रो0 अजय कुमार सूद ने सम्मेलन में उपस्थित राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय मोटे अनाजों को विश्व स्तर पर अलग पहचान देने के लिए केन्द्र सरकार अनेक प्रयास कर रही है। आज उसी प्रयास की एक झलक आपको निफ्टम में दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर मोटे अनाजों की बहुत ज्यादा डिमांड है इसलिए देश के उद्योगपति और किसान इस क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रयास करें ताकि वो आर्थिक रूप से मजबूत हो सके।

प्रो0 सूद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से ही आज पूरा विश्व 2023 को मिलेट्स वर्ष के रूप में मना रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए जी-20 सम्मेलन के दौरान देश के विभिन्न शहरों में आयोजित 220 कार्यक्रमों में भारतीय मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए विदेशी प्रतिनिधियों ने भारतीय मोटे अनाजों से बने व्यंजनों का स्वाद चखा। इस दौरान सभी विदेशी प्रतिनिधियों ने मोटे अनाजों से बने भारतीय व्यंजनों की जमकर तारीफ की। यही नहीं हाल में जी-20 के दौरान राष्ट्रपति द्वारा सम्मेलन में भाग लेने वाले राष्ट्र अध्यक्षों को दिए गए प्रतिभोज में भी भारतीय मोटे अनाजों से बने व्यंजनों को शामिल किया गया।

प्रो0 सूद ने कहा कि हर व्यक्ति के प्रतिदिन आहार में मोटे अनाजों से व्यंजनों को शामिल करने के लिए दुनिया 2023 को मिलेट्स वर्ष के रूप में मना रही है। उन्होंने कहा कि मिलेट्स सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। मिलेट्स की दो व्यापक श्रेणियां हैं- मेजर या मुख्य मिलेट्स और माइनर या छोटे मिलेट्स. बाजरा, ज्वार, रागी और कंगनी मुख्य मिलेट्स की श्रेणी में आते हैं और सना, कोदो, चिन्ना इत्यादि को छोटे मिलेट्स माना जाता है। उन्होंने बताया कि हर एक मिलेट का अपना महत्व है जैसे कि बाजरा, कैल्शियम से भरा होता है, ज्वार में पोटेशियम और फास्फोरस होता है, और कंगनी में फाइबर होता है जबकि कोदो आयरन से भरपूर होता है। इसलिए हमें सभी तरह के मिलेट्स खाते रहना चाहिए।

इसके पश्चात प्रो0 अजय कुमार सूद ने मिलेट्स के क्षेत्र में कार्य कर रहे किसान व उद्योगपतियों द्वारा निफ्टम में लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने उद्योगपतियों का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि आज मुझे खुशी का अहसास ही नहीं पूर्ण विश्वास हो गया है कि मिलेट्स के क्षेत्र में आने वाला समय भारत का होगा।

आर.एन.आई. नं. HARBIL/2017/71370

अटल हिन्द

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Postal No. KKR/153/2022-24

Publisher & Director: Raj K. Aggarwal | Email:- atalhindnews@gmail.com | ePaper- Website: www.atalhind.com

भारतीय के मोटे अनाजों को विश्व स्तर पर अलग पहचान देने के लिए केन्द्र सरकार कर रही प्रयास : प्रो. सूद

अटल हिंद संवाददाता

सोनीपत, 21 सितंबर। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कुण्डली स्थित राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टम) में मिलेट्स (मोटा अनाज) को पोषण और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ गुरूवार को बतौर मुख्यातिथि भारत सरकार में प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद ने किया। प्रो. अजय कुमार सूद ने सम्मेलन में उपस्थित राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय मोटे अनाजों को विश्व स्तर पर अलग पहचान देने के लिए केन्द्र सरकार अनेक प्रयास कर रही है। आज उसी प्रयास की एक झलक आपको निफ्टम में दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर मोटे अनाजों की बहुत ज्यादा डिमांड है इसलिए

देश के उद्योगपति और किसान इस क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रयास करें ताकि वो आर्थिक रूप से मजबूत हो सके। प्रो. सूद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से ही आज पूरा विश्व 2023 को मिलेट्स वर्ष के रूप में मना रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए जी-20 सम्मेलन के दौरान देश के विभिन्न शहरों में आयोजित 220 कार्यक्रमों में भारतीय मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए विदेशी प्रतिनिधियों ने भारतीय मोटे अनाजों से बने व्यंजनों का स्वाद चखा।

गंगापुत्रा टाइम्स

E-Mail- Newsgangaputra@gmail.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 18, अंक 267, जींद (हरियाणा), शुक्रवार, 22 दिसंबर 2023, मूल्य- 2.00 पृष्ठ 12, ... विक्रमी संवत 2080

भारतीय के मोटे अनाजों को विश्व स्तर पर अलग पहचान देने के लिए केन्द्र सरकार कर रही प्रयास - प्रो. सूद

रणबीर सिंह, सोनीपत। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कुण्डली स्थित राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टम) में मिलेट्स (मोटा अनाज) को पोषण और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ गुरुवार को बतौर मुख्यातिथि भारत सरकार में प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद ने किया।प्रो. अजय कुमार सूद ने सम्मेलन में उपस्थित राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय मोटे अनाजों को विश्व स्तर पर अलग पहचान देने के लिए केन्द्र सरकार अनेक प्रयास कर रही है। आज उसी प्रयास की एक झलक आपको निफ्टम में दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर मोटे अनाजों की बहुत ज्यादा डिमांड है इसलिए देश के उद्योगपति और किसान इस क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रयास करें ताकि वो आर्थिक रूप से मजबूत हो सके। प्रो. सूद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से ही आज पूरा विश्व 2023 को मिलेट्स वर्ष के रूप में मना रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए जी-20 सम्मेलन के दौरान देश के विभिन्न शहरों में आयोजित 220 कार्यक्रमों में भारतीय मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए विदेशी प्रतिनिधियों ने भारतीय मोटे अनाजों से बने व्यंजनों का स्वाद चखा। इस दौरान सभी विदेशी प्रतिनिधियों ने मोटे अनाजों से बने भारतीय व्यंजनों का जमकर तारीफ की। यही नहीं हाल में जी-20 के दौरान राष्ट्रपति द्वारा सम्मेलन में भाग लेने वाले राष्ट्र अध्यक्षों को दिए गए प्रतिभोज में भी भारतीय मोटे अनाजों से बने व्यंजनों को शामिल किया गया।प्रो. सूद ने कहा कि हर व्यक्ति के प्रतिदिन आहार में मोटे अनाजों से व्यंजनों को शामिल करने के लिए दुनिया 2023 को मिलेट्स वर्ष के रूप में मना रही है। उन्होंने कहा कि मिलेट्स सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते है। मिलेट्स की दो व्यापक श्रेणियां है- मेजर या मुख्य मिलेट्स और माइनर या छोटे मिलेट्स. बाजरा, ज्वार, रागी और कंगनी मुख्य मिलेट्स की श्रेणी में आते है।

हिन्दी दैनिक

ऋषि की आवाज़

आर.एन.आई नं.- HARHIN/2007/29018 P/RTK/017

रोहतक से प्रकाशित

वर्ष : 17 अंक : 198, रोहतक, शुक्रवार 22 सितंबर 2023, मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 8 E-mail :-rishikiawaaz@gmail.com (P/RTK/017/2021-2023)

भारत सरकार में प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार ने मिलेट्स पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

सोनीपत, ऋषि की आवाज ब्यूरो। राजेश आहूजा) खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कुण्डली स्थित राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टम) में मिलेट्स (मोटा अनाज) को पोषण और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ गुरूवार को बतौर मुख्यातिथि भारत सरकार में प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार प्रो0 अजय कुमार सूद ने किया।

प्रो0 अजय कुमार सूद ने कहा कि भारतीय मोटे अनाजों को विश्व स्तर पर अलग पहचान देने

के लिए केन्द्र सरकार अनेक प्रयास कर रही है। आज उसी प्रयास की एक झलक आपको निफ्टम में दिखाई दे रही है।

प्रो0 सूद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से ही आज पूरा विश्व 2023 को मिलेट्स वर्ष के रूप में मना रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए जी-20 सम्मेलन के दौरान देश के विभिन्न शहरों में आयोजित 220 कार्यक्रमों में भारतीय मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए विदेशी प्रतिनिधियों ने भारतीय मोटे अनाजों से बने व्यंजनों का स्वाद चखा। यही नहीं हाल में जी-20 के दौरान राष्ट्रपति द्वारा सम्मेलन में भाग लेने वाले राष्ट्र अध्यक्षों को दिए गए प्रतिभोज में भी भारतीय मोटे अनाजों से बने व्यंजनों को शामिल किया गया।

प्रो0 सूद ने कहा कि हर व्यक्ति के प्रतिदिन आहार में मोटे अनाजों से व्यंजनों को शामिल करने के लिए दुनिया 2023 को मिलेट्स वर्ष के रूप में मना रही है। उन्होंने कहा कि मिलेट्स सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते है। इसलिए हमें सभी तरह के मिलेट्स खाते रहना चाहिए।

किसान व उद्योगपतियों द्वारा निफ्टम में लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए अवलोकन किया। किसानों के अधिकार संरक्षण प्राधिकरण के चेयरमैन डॉ0 डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा इसी वर्ष लोगों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए देश में मोटे अनाजों को बढ़ावा देने तथा भारत को पूरे विश्व में सबसे बड़ा अनाज निर्यातक देश बनाने के लिए श्री अन्न योजना की शुरूआत की गई है। ताकि हमारे किसानों को मोटे अनाजों का उत्पादन करने तथाद्व हमारे युवाओं को इस क्षेत्र से जुड़े उद्योगों में आगे बढ़ने का प्रोत्साहन मिल सके।

तापमान
अधिकतम 37.5 डिग्री
न्यूनतम 26.2 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, शनिवार, 23 सितंबर, 2023

आयोजन

राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता व प्रबंधन संस्थान कुंडली में अंतरराष्ट्रीय श्रीअन्न सम्मेलन का दूसरा दिन

पोषण प्राप्त करने में श्रीअन्न की भूमिका पर सभी एकजुट

संवाद न्यूज एजेंसी

सोनीपत। राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टम), कुंडली में चल रहे तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रीअन्न सम्मेलन के दूसरे दिन देश-विदेश के वरिष्ठ शोध विशेषज्ञों व वैज्ञानिकों ने श्रीअन्न यानी मोटा अनाज की संभावनाओं व चुनौतियों पर तीन तकनीकी सत्रों में मंथन किया।

विभिन्न तकनीकी सत्रों के माध्यम से पोषण और आर्थिक सुरक्षा प्राप्त करने में श्रीअन्न की भूमिका को आगे बढ़ाने के लिए देश-विदेश के वरिष्ठ शिक्षाविद एवं वैज्ञानिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के वैश्विक मंच पर एकजुट हुए।

पहले तकनीकी सत्र की अध्यक्षता दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शोध सहयोगी डॉ. जॉन आरएन टेलर व सह अध्यक्षता कृषि विश्वविद्यालय कोटा के पूर्व कुलपति डॉ. डीसी जोशी ने की।

डॉ. जॉन टेलर ने फसलोपरांत प्रबंधन प्रक्रिया को बेहतर बनाने पर चर्चा की। दूसरा तकनीकी सत्र स्वस्थ जीवन शैली और आजीविका प्रबंधन के लिए श्रीअन्न विषय पर आधारित रहा। इसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के महानिदेशक एस गोपालकृष्णन व सह अध्यक्षता एफएसएसएआई, नई दिल्ली की कार्यकारी निदेशक इनोशी शर्मा ने की।

श्रीअन्न अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विचार मंथन करते देश विदेश के शिक्षाविद् एवं वैज्ञानिक। स्रोत : संस्थान

तीसरा सत्र श्रीअन्न के मूल्यीयकरण के लिए उभरती प्रौद्योगिकी विषय को समर्पित रहा। इसकी अध्यक्षा सस्केचेवान विश्वविद्यालय, कनाडा के प्रोफेसर डॉ. वेंकटेश मेडा और सह अध्यक्ष प्रधान अनुसंधान अधिकारी टीगास्क फूड रिसर्च सेंटर, यूनिवर्सिटी कॉलेज डबलिन, आयरलैंड के डॉ. बृजेश के. तिवारी ने की। सम्मेलन में श्रीअन्न से जुड़े ज्ञान के आदान-प्रदान, नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने पर मंथन जारी रहा।

विभिन्न तकनीकी सत्रों के माध्यम से पोषण और आर्थिक सुरक्षा प्राप्त करने में श्रीअन्न की भूमिका को आगे बढ़ाने के लिए देश-विदेश के वरिष्ठ शिक्षाविद एवं वैज्ञानिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के वैश्विक मंच पर एकजुट हुए। इन तकनीकी सत्रों में देश-विदेश से पहुंचे शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों ने श्रीअन्न से जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं से जुड़े विषयों पर शोध व्याख्यान प्रस्तुत किए। सम्मेलन के दौरान श्रीअन्न प्रदर्शनी आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र रही। प्रदर्शनी में 75 से अधिक श्रीअन्न पर आधारित व्यंजनों पर रेसिपी प्रतियोगिता करवाई गई। आगंतुकों ने कई स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद चखा। सम्मेलन के दौरान सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के विद्यार्थियों ने हरियाणवी नृत्य, गरबा, झूमर, कत्थक क प्रस्तुति दी।

जागरण सिटी
दैनिक जागरण
सोनीपत

निफ्टेम में मिलेट्स की संभावनाओं और चुनौतियों पर किया मंथन

जागरण संवाददाता, सोनीपतः राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम) में चल रहे अंतरराष्ट्रीय श्रीअन्न सम्मेलन के दूसरे दिन देश-विदेश के वरिष्ठ शोध विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों ने मिलेट्स की संभावनाओं और चुनौतियों पर तकनीकी सत्रों में मंथन किया। पहले तकनीकी सत्र की अध्यक्षता दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शोध सहयोगी डा. जान आरएन टेलर ने की और सह-अध्यक्षता कृषि विश्वविद्यालय कोटा के पूर्व कुलपति डा. डीसी जोशी ने की।

मिलेट्स के मूल्यांकन के लिए उभरती हुई तकनीकें विषय के सत्र में कनाडा के सासकेचवान विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डा. वेंकटेश मेडा ने मुख्य वक्तव्य दिया।

सम्मेलन में अपने विचार रखते डा .जान आरएन टेलर ● निफ्टेम

सम्मेलन के दौरान श्रीअन्न प्रदर्शनी आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र बनी रही। प्रदर्शनी के दौरान 75 से अधिक श्रीअन्न पर आधारित व्यंजनों पर रेसेपी प्रतियोगिता के दौरान सबके मुंह में पानी आ गया। आगंतुकों ने कई स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद चखा। इस दौरान सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

सोनीपत भास्कर

पानीपत, शनिवार, 23 सितंबर, 2023 dainikbhaskar.com

निफ्टम • विदेशी बोले- मोटा अनाज भारत का अपना यह सेवन का खजाना है

विदेशी वैज्ञानिकों ने चखा मोटे अनाज का स्वाद

भास्कर न्यूज | राई

कुंडली स्थित राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम) में अंतरराष्ट्रीय श्रीअन्न सम्मेलन के दूसरे दिन श्रीअन्न प्रदर्शनी आकर्षण का केन्द्र बनी। इसमें 75 से अधिक श्रीअन्न पर आधारित व्यंजनों पर रेसीपी की प्रतियोगिता हुई। विदेशी ने अनेक स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद चखा। सांस्कृतिक संध्या में संस्थान के विद्यार्थियों ने हरियाणवी नृत्य, गरबा,झूमर, कत्थक आदि अनेक मनमोहक प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं का मन मोह लिया।

सम्मेलन के दौरान मोटा अनाज पर विचार रखते विदेशी वैज्ञानिक ।

वैज्ञानिकों ने श्रीअन्न यानी मोटा अनाज की संभावनाओं और चुनौतियों पर मंथन किया। अध्यक्षता दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शोध सहयोगी डॉ.जॉन आरएन टेलर ने फसलों के प्रबंधन पर प्रकाश डाला। कहा स्वस्थ जीवन शैली और आजीविका प्रबंधन के लिए श्रीअन्न का प्रयोग जरुरी है।

कृषि विश्वविद्यालय कोटा के पूर्व कुलपति डॉ. डीसी जोशी व विदेशी वैज्ञानिकों ने कहा कि मोटा अनाज सेहत का खजाना है। यह भारत का अपना अनाज है। इसके प्रयोग से बीमारियों से बचा जा सकता है। इस मौके पर राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के महानिदेशक एस. गोपालकृष्णन , एफएसएसएआई नई दिल्ली की कार्यकारी निदेशक इनोशी शर्मा ने की। सस्केचेवान विश्वविद्यालय कनाडा के प्रोफेसर डॉ वेंकटेश मेडा, एफएसएसएआई के सीईओ जी. कमला वर्धन राव निफ्टेम संस्थान के डॉ. विमल पंत मौजूद रहे।

पाठक एवं एजेंट नोट करें
पंजाब केसरी, जग बाणी एवं हिंद समाचार में विज्ञापन, सर्कुलेशन व अन्य समस्याओं संबंधी
Email : jagbani@pkesari.in
WhatsApp : 78888-97760
पर सम्पर्क करें।

सोनीपत केसरी
SUNDAY, 24 SEPTEMBER 2023 सूर्यास्त (आज) 06.17 सूर्योदय (कल) 06.11 अगले 24 घंटों के दौरान साफ रहेगा।

मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार ने शुरू की श्रीअन्न योजना : पारस

निफ्टम में मिलेट्स पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन, केंद्रीय खाद्य प्रंसस्करण मंत्री पशुपति पारस ने की शिरकत

सोनीपत, 23 सितम्बर (ब्यूरो): खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कुण्डली स्थित राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टम) में मिलेट्स (मोटा अनाज) को पोषण और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए आयोजित किए गए 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शनिवार को समापन किया गया।

समापन अवसर पर केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण एवं उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि भारतीय मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए निफ्टम में जो भव्य सम्मेलन आयोजित किया गया, वह बेहद सराहनीय है। इसके माध्यम से देश व विदेश से आए लोगों को भारत के मोटे अनाजों के बारे में जानकारी व उनके फायदों के बारे में अवगत करवाया।

निफ्टम में पहुंचे केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस, विधायक मोहन बड़ौली व अन्य।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आज से 50 साल पहले हमारे बुजुर्ग बड़ी मात्रा में मोटे अनाजों की खेती करते थे और मोटे अनाजों को गरीब का खाना कहा जाता था। लेकिन बाद में फसल के भाव व अन्य परिस्थितियों के कारण हमारे किसानों ने मोटे अनाजों को उगाना छोड़ दिया, जिसका परिणाम ये निकला कि मनुष्य अनेक बीमारियों से ग्रस्त हो गया। उन्होंने कहा कि आज पूरे विश्व ने माना है कि मनुष्य को स्वस्थ रहने के लिए मोटे अनाजों का सेवन जरूरी है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने भी मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए श्रीअन्न योजना की शुरूआत की, ताकि भारत मोटे अनाजों का सबसे बड़ा निर्यातक देश बन सके।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा मोटे अनाज के बीजों पर रिसर्च करने के लिए हैदाराबाद में मिलेट्स रिसर्च सैंटर का निर्माण किया जा रहा है। ताकि हमारे वैज्ञानिक ऐसे बीजों की खोज कर सकें जिससे फसल का अधिक उत्पादन हो और बचत भी ज्यादा हो सके। उन्होंने कहा कि मोटे अनाजों की खेती करने में उर्वरकों और जल की भी कम जरूरत होती है, जिससे हमारी मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनी रहती है।

केन्द्रीय मंत्री ने उपस्थित गण्यमान्य व्यक्तियों व विद्यार्थियों को 03 से 05 नवम्बर को प्रगति मैदान में आयोजित विश्व स्तरीय मिलेट्स कार्यक्रम का निमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 साल के इतिहास में नरेन्द्र मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं जो देश के ही नहीं पूरे विश्व के प्रसिद्ध नेता है। जिनकी विदेशी कूटनीति ने देश का मान-सम्मान बढ़ाया है। हाल ही में हुए जी-20 सम्मेलन में पूरे विश्व ने नए भारत की ताकत देखी। उन्होंने कहा कि आज विश्व का हर विकसित देश भारत को हर क्षेत्र में साथ लेकर चलना चाहता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने संसद का विशेष स्तर बुलाकर महिलाओं को उनका हक दिलवाया है। ये महिला आरक्षण बिल पिछले 29 साल से पैंडिंग था, जिसे आज भाजपा सरकार ने पास करवाने का कार्य किया है।

इस मौके पर राई से विधायक एवं प्रदेश भाजपा महामंत्री मोहनलाल बड़ौली, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव मिन्हाज आलम, केन्द्रीय मंत्री के पी.एस. डा. सुबोध कुमार, निफ्टम संस्थान के निदेशक डा. हरेन्द्र सिंह ओबराय, निफ्टम रजिस्ट्रार जे.एस. राणा सहित 11 देशों से आए प्रतिनिधि व निफ्टम में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं व शिक्षक मौजूद रहे।

नई दिल्ली, रविवार, 24 सितंबर, 2023

जागरण सिटी

दैनिक जागरण

सोनीपत

कालेजों में 30 फीसद सीटें खाली, 25 से फिर खुलेगा पोर्टल IV W

ओछी राजनीति कर रहे हैं हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष : पशुपति कुमार

मिलेट्स पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उदयभान के बयान की निंदा की

जागरण संवाददाता, सोनीपत: निफ्टेम में मिलेट्स पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में पहुंचे केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान के बयान की निंदा की और कहा कि यह ओछी राजनीति है। कांग्रेस चाहे कितने भी प्रयास कर ले, लेकिन 2024 के चुनाव में एनडीए की दो तिहाई बहुमत के साथ जीत दर्ज होगी और तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होंगे। उन्होंने कहा कि अपनी बात रखना सबका अधिकार है, लेकिन यह लोकतांत्रिक सिस्टम है किसी भी व्यक्ति के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने या किसी भी व्यक्ति के बारे में अपमानजनक बोलने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री हैं, नीतीश कुमार के कार्यकाल से पहले जंगलराज के खिलाफ बिहार की जनता ने नीतीश कुमार को अपना मुख्यमंत्री चुना था। नीतीश कुमार ने तीन बार पाला बदला है। अब बिहार की कानून व्यवस्था इतनी खराब हो गई है कि कोई भी व्यक्ति सुरक्षित नहीं है। उन्होंने दावा किया अब 2024 का समय नजदीक है और बिहार की जनता एनडीए गठबंधन के पक्ष में अपना वोट देकर देश के प्रधानमंत्री के नाम पर सत्ता देने का काम करेगी।

उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के प्रयास से साल 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष मनाया जा रहा है। पहले मोटे अनाज को गरीब का भोजन माना जाता था, उस समय मोटे अनाज का ज्यादा प्रचार नहीं था और रेट भी नहीं मिलता था। अब पूरे विश्व में मोटे अनाज की उपयोगिता बढ़ी है। तीन से पांच नवम्बर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रगति मैदान में मोटे अनाज को लेकर उत्सव मनाया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस संबोधित करते हुए • सौ. निफ्टेम

कांग्रेस चाहे कितने भी प्रयास कर ले, लेकिन 2024 के चुनाव में एनडीए की दो तिहाई बहुमत के साथ जीत दर्ज होगी

सम्मेलन में राई के विधायक मोहन लाल बड़ौली, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के अपर सचिव मिन्हाज आलम ने भी संबोधित किया और श्रीअन्न से जुड़े मुद्दों पर वैश्विक विचार-विमर्श के लिए निफ्टेम संस्थान की प्रशंसा की। इससे पूर्व निफ्टेम संस्थान के निदेशक डा. हरिन्दर सिंह ओबेराय ने तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान की गई गतिविधियों एवं उपलब्धियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के दौरान देश विदेश के 120 आमंत्रित विषय विशेषज्ञ, विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के 35 कुलपति और विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के 08 निदेशक एक मंच पर आए और श्रीअन्न से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलूओं पर गंभीर विचार विमर्श किया।

केन्द्रीय मंत्री का स्वागत करते हुए निदेशक डॉ. हरिन्दर सिंह ओबेरॉय

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित दर्शक

केन्द्रीय मंत्री का निफ्टेम में स्वागत करते हुए वरिष्ठ अधिकारी

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार, 24 सितंबर , 2023

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रीअन्न सम्मेलन संपन्न

गरीबों का भोजन कहलाता था मोटा अनाज

- केंद्रीय मंत्री, पशुपति कुमार पारस ने शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ⏭ राई

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय महत्व के संस्थान राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम), कुंडली में चल रहा तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रीअन्न सम्मेलन धूमधाम से संपन्न हो गया। समापन समारोह में पशुपति कुमार पारस, केन्द्रीय मंत्री, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार पहुंचे। उन्होंने कहा कि पहले श्रीअन्न यानी मोटा अनाज गरीबों का अनाज कहलाता था। हमारे पूर्वज इसकी खेती करते थे। फसलों का उचित भाव नहीं मिलने से इनके उत्पादन में गिरावट आई है। लेकिन, हमारी सरकार का प्रयास है कि मोटा अनाज की खेती को फायदेमंद बनाया जाए और पूरे विश्व में मोटे अनाज को पहचान दिलाई जाए। केन्द्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को श्रीअन्न (मिलेट्स) वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की। निफ्टेम, कुंडली संस्थान द्वारा 21 से 23 सितम्बर तक आयोजित किए गए तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रीअन्न सम्मेलन की शानदार कामयाबी पर बधाई दी। सम्मेलन श्रीअन्न को पोषण व आर्थिक समृद्धि की ओर तेजी से अग्रसित करने व वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने में उल्लेखनीय भूमिका निभाएगा।

राई। केन्द्रीय मंत्री,पशुपति कुमार पारस, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का निफ्टेम संस्थान के निदेशक डॉ. हरिन्दर सिंह ओबेरॉय प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए।

विजेताओं को केन्द्रीय मंत्री ने सम्मानित किया

पोस्टर, रेसीपी आदि प्रतियोगिता के विजेताओं को केन्द्रीय मंत्री पशुपति ने सम्मानित किया। रेसीपी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दिल्ली विश्वविद्यालय की सुश्री प्रिया मिश्रा ने बेबीस फूड झ्रघुघरमादो मेर्सल्स तैयार करके प्राप्त किया। दूसरा स्थान, मिलेट मेमोरी बार व्यंजन तैयार करके आईआईटी, खड़गपुर की अंतरा चटर्जी व हमत फैसल और तीसरे स्थान पर बाजरा घेवर तैयार करकेएमएम (डीयू) मुलाना, अंबाला से पीयुष कुमार , जितिन जयन एवं मोनिका कुमारी ने हासिल किया।

शिक्षाविदों और विशेषज्ञों को सम्मानित किया

तीसरे दिन आयोजित तकनीकी सत्रों में इंडोनेशिया के हार्वेस्ट प्लस के कंट्री लीड सुलेमान गिनटिंग, उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग के सचिव राजेश कुमार सिंह, उद्योग मंत्रालय के अपर सचिव एसके झा, वाबाग लिमिटेड, बैंकॉक, थाईलैंड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एके. श्रावत व उद्योग मंत्रालय की आर्थिक सलाहकार सिम्मी चौधरी ने श्रीअन्न से जुड़े विषयों पर व्याख्यान दिए। संस्थान निदेशक डॉ. हरिंदर सिंह ओबेरॉय चर्चा में शामिल अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, शिक्षाविदों व विशेषज्ञों को सम्मानित किया।

सोनीपत भास्कर

पानीपत, रविवार, 24 सितंबर, 2023

तीन दिवसीय श्रीअन्न सम्मेलन का समापन

'मोटा अनाज सेहत के लिए सबसे उपयोगी'

राई. छात्रा को सम्मानित करते केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस।

भास्कर न्यूज | राई

कुंडली स्थित (निफ्टम) में मिलेट्स (मोटा अनाज) को पोषण और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए आयोजित किए गए तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शनिवार को समापन हो गया। मुख्यअतिथि केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण एवं उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस ने कहा कि मोटा अनाज को पहले गरीबों का भोजन कहा जाता था। अब यही सेहत के लिए सबसे उपयोगी साबित हो रहा है। सरकार रिसर्च करने के लिए हैदराबाद में मिलेट्स रिसर्च सेंटर बना रही है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आज से 50 साल पहले हमारे बुजुर्ग बड़ी मात्रा में मोटे अनाजों की खेती करते थे और मोटे अनाजों को गरीब का खाना कहा जाता था। फसल के भाव व अन्य परिस्थितियों के कारण हमारे किसानों ने मोटे अनाजों को उगाना छोड़ दिया। जिसका परिणाम यह निकला की मनुष्य अनेक बीमारियों से ग्रस्त हो गया। आज पूरे विश्व ने माना है कि मनुष्य को स्वस्थ रहने के लिए मोटे अनाजों का सेवन जरूरी है।

इस मौके पर विधायक मोहनलाल बड़ौली, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव मिन्हाज आलम, केन्द्रीय मंत्री के पीएस डॉ. सुबोध कुमार, निफ्टम संस्थान के निदेशक डॉ. हरेन्द्र सिंह ओबराय, निफ्टम रजिस्ट्रार जेएस राणा सहित 11 देशों से आए प्रतिनिधि व निफ्टम के छात्र-छात्राएं व शिक्षक मौजूद थे।

अमर उजाला

सूर्योदय
सुबह 6:12
सूर्यास्त
शाम 6:17
स्थानीय समयानुसार

35° temperature 26.2°

अगले 7 दिनों का पूर्वानुमान देखें-
amarujala.com/weather

रोहतक | रविवार | 24.09.2023
भाद्रपद, शुक्ल पक्ष, नवमी, विक्रम संवत 2080
amarujala.com/sonipat

सोनीपत

मोटे अनाज को बढ़ावा देने के लिए सरकार कर रही काम : केंद्रीय मंत्री

3 से 5 नवंबर तक दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित किया जाएगा इंटरनेशनल फूड एक्सपो

संवाद न्यूज एजेंसी

सोनीपत। खाद्य प्रसंस्करण एवं उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस ने कहा कि सरकार मोटे अनाज को बढ़ावा देने पर काम कर रही है। पहले मोटे अनाज का ज्यादा प्रचार नहीं था और दाम भी नहीं मिलते थे। आज पूरे विश्व में मोटे अनाज की उपयोगिता बढ़ी है। इस कड़ी में 3 से 5 नवंबर तक दिल्ली के प्रगति मैदान में अंतरराष्ट्रीय फूड एक्सपो आयोजित किया जाएगा, जिसमें राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को न्योता दिया जाएगा।

पशुपति कुमार पारस शनिवार को राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टम) में आयोजित श्रीअन्न (मोटे अनाज) पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभान की तरफ से प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल पर अमर्यादित टिप्पणी पर कहा कि किसी भी राजनेता को एक-दूसरे पर निजी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। किसी को किसी के बारे में अपमानजनक बोलने का अधिकार नहीं, मैं उनके बयान की निंदा करता हूं।

इंडिया गठबंधन को बालू मिट्टी की भीत बताया : उन्होंने इंडिया गठबंधन पर बोलते हुए इसे बालू मिट्टी की भीत (दीवार) बताया है। उन्होंने कहा है कि आज एक अनार है और 100 बीमार हैं। उन्होंने कहा है कि सभी 28 में से 5-6 दल सभी प्रधानमंत्री के लिए खुद की उम्मीदवारी बताते हैं। साल 2024 के चुनाव में एनडीए की दो-तिहाई बहुमत के साथ जीत दर्ज होगी महिला आरक्षण विधेयक पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 27 साल से देश की जनता इसका इंतजार कर रही थी। साल 2029 से पहले देश की जनगणना पूरी कर ली जाएगी।

हैदराबाद में बनाया जा रहा मिलेट्स शोध केंद्र

सोनीपत। राई से विधायक एवं प्रदेश भाजपा महामंत्री मोहनलाल बड़ौली ने केंद्रीय मंत्री का निफ्टम में पहुंचने पर स्वागत किया।

इससे पूर्व निफ्टेम संस्थान के निदेशक डॉ. हरिंद्र सिंह ओबेरॉय ने बताया कि सम्मेलन के दौरान देश-विदेश के 120 विषय विशेषज्ञ, विभिन्न विश्वविद्यालयों के 35 कुलपति व विभिन्न संस्थानों के आठ निदेशक एक मंच पर आए और श्रीअन्न से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श किया। सभी ने यह भी मंथन किया कि श्रीअन्न की उपज और व्यंजन में जायके को कैसे बढ़ाया जाए। डॉ. हरिंद्र सिंह ने श्रीअन्न से जुड़ी चुनौतियों को भी रेखांकित किया।

साथ ही श्रीअन्न की उपज एवं उपयोगिता को बढ़ाने के लिए इसे आयुर्वेद के साथ जोड़ने के बारे में भी विचार-विमर्श किया गया।

निफ्टम में प्रतियोगिता की विजेता को पुरस्कृत करते केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार। स्रोत : सूचना विभाग

रेसिपी प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रिया प्रथम

सम्मेलन के दौरान रेसिपी प्रतियोगिता कराई गई, जिसमें 74 टीमों ने श्रीअन्न से 75 से अधिक जायकेदार व्यंजन तैयार किए। सम्मेलन में पोस्टर, रेसिपी प्रतियोगिता के विजेताओं को केंद्रीय मंत्री ने सम्मानित किया। रेसिपी प्रतियोगिता में दिल्ली विवि की प्रिया मिश्रा प्रथम, आईआईटी खड़गपुर की अंतरा चटर्जी एवं अहमत फैसल दूसरे और बाजरा घेवर तैयार करके अंबाला से पीयूष कुमार, जितिन जयन व मोनिका कुमारी की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव मिन्हाज आलम, केन्द्रीय मंत्री के पीएस डॉ. सुबोध कुमार, इंडोनेशिया के हार्वेस्ट प्लस के कंट्री लीड सुलेमान गिनटिंग, उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग के सचिव राजेश कुमार सिंह, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के अपर सचिव एसके झा, आर्थिक सलाहकार सिम्मी चौधरी, बैंकॉक, थाईलैंड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एके श्रावत, निफ्टम रजिस्ट्रार जेएस राणा सहित 11 देशों से आए प्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं व शिक्षक मौजूद रहे।

भारत और कनाडा के बीच रिश्तों में आई दरार पर यह बोले

भारत और कनाडा के बीच रिश्तों में आई दरार पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसी भी देश के सभी देशों से रिश्ते ठीक हो, यह नहीं हो सकता। बिहार के नीतीश कुमार व तेजस्वी सरकार पर भी वे जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि साल 2005 से लेकर अब तक नीतीश कुमार तीन बार पाला बदल चुके हैं। बिहार की जनता ने उन्हें सरकार के जंगलराज के खिलाफ मुख्यमंत्री बनाया था। वहां रक्षक ही भक्षक बन गया है। 11 महीने से बिहार में जंगलराज है। पुलिस से लेकर पत्रकार हर वर्ग दुखी है।

आपकी आवाज

दैनिक ट्रिब्यून

दिल्ली/एनसीआर ◆ वर्ष/VOL. : 7 अंक : 264 ◆ चंडीगढ़/ गुरुग्राम ◆ आश्विन 8 प्रविष्टे, विक्रमी संवत् 2080 ◆ पृष्ठ : 26, मूल्य : ₹ 6.00 ◆ Regd. No. CHD/0069/2021-2023

ई-मेल dt@tribuneindia.com | रविवार, 24 सितंबर, 2023 | www.dainiktribuneonline.com

कुंडली स्थित निफ्टम में मिलेट्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न, केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस बोले

श्री अन्न योजना से मोटे अनाज का सबसे बड़ा निर्यातक बनेगा देश

रिसर्च के लिए हैदराबाद में बनेगा रिसर्च सेंटर

सोनीपत, 23 सितंबर (हप्र)

केंद्रीय खाद्य प्रंसस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस ने कहा कि केंद्र सरकार ने मोटे अनाज (मिलेट्स) को बढ़ावा देने के लिए श्री अन्न योजना की शुरूआत की, ताकि देश मोटे अनाज का सबसे बड़ा निर्यातक देश बन सके। इसी क्रम में 3 से 5 नवंबर तक दिल्ली के प्रगति मैदान में इंटरनेशनल फूड एक्सपो का आयोजन होगा जिसमें राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री भी शिरकत कर सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस शनिवार शाम खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा कुंडली स्थित राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टम) में मिलेट्स (मोटा अनाज) को पोषण और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर बोल रहे थे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज से 50 साल पहले हमारे बुजुर्ग बड़ी मात्रा में मोटे अनाज की खेती करते थे और मोटे अनाजों को गरीब का खाना कहा जाता था। बाद में हमारे किसानों ने मोटे अनाजों को उगाना छोड़ दिया, जिसका परिणाम ये निकला कि मनुष्य अनेक बीमारियों से ग्रस्त हो गया। आज पूरे विश्व ने माना है कि स्वस्थ रहने के लिए मोटे अनाजों का सेवन जरूरी है। मोटे अनाज के बीजों पर रिसर्च के लिए हैदराबाद में मिलेट्स रिसर्च सेंटर का निर्माण किया जा रहा है। हमारे वैज्ञानिक ऐसे बीजों की खोज कर सके जिससे किसानों को फसल का अधिक उत्पादन हो और उन्हें बचत भी ज्यादा हो सके। मोटे अनाजों की खेती करने में उर्वरकों और जल की भी कम जरूरत होती है, जिससे हमारी मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनी रहती है। इस दौरान उन्होंने निफ्टम एट ए ग्लेंसी ई-पुस्तक का भी विमोचन किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर राई से विधायक एवं प्रदेश भाजपा महामंत्री मोहनलाल बड़ौली, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव मिन्हाज आलम, निफ्टम संस्थान के निदेशक डॉ. हरेंद्र सिंह ओबराय, निफ्टम रजिस्ट्रार जोएस राणा सहित 11 देशों से आए प्रतिनिधि व निफ्टम के वाले छात्र व शिक्षक मौजूद रहे।

वर्षों से राष्ट्र की सेवा में समर्पित
वीर अर्जुन
विविध : शुभ का टूर कैंसिल, कंगना ने किया स्वागत ★ नई दिल्ली, लखनऊ एवं देहरादून से प्रकाशित
E-mail : dailyvirarjun@gmail.com Website : www.virarjun.com E-Paper : www.epapervirarjun.com
5/1270/2021-23 (Posted at Delhi RMS) नई दिल्ली, रविवार, 24 सितम्बर, 2023 मूल्य : रु 5.00 प्रभात संस्करण

केन्द्रीय मंत्री ने विद्यार्थियों को प्रगति मैदान में आयोजित विश्व स्तरीय मिलेट्स कार्यक्रम का दिया निमंत्रण

सोनीपत (राजेश आहूजा) खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कुण्डली स्थित राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान (निफटम) में मिलेट्स (मोटा अनाज) को पोषण और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए आयोजित किए गए तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शनिवार को समापन किया गया। समापन अवसर पर केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण एवं उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि भारतीय मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए निफटम में जो भव्य सम्मेलन आयोजित किया गया उसके लिए मैं संस्थान के पदाधिकारियों का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने किस प्रकार देश व विदेश से आए लोगों को भारत के मोटे अनाजों के बारे में जानकारी व उनके फायदों के बारे में अवगत करवाया।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आज से 50 साल पहले हमारे बुजुर्ग बड़ी मात्रा में मोटे अनाजों की खेती करते थे और मोटे अनाजों को गरीब का खाना कहा जाता था। लेकिन बाद में फसल के भाव व अन्य परिस्थितियों के कारण हमारे किसानों ने मोटे अनाजों को उगाना छोड़ दिया, जिसका परिणाम ये निकला की मनुष्य अनेक बीमारियों से ग्रस्त हो गया। उन्होंने कहा कि आज पूरे विश्व ने माना है कि मनुष्य को स्वस्थ रहने के लिए मोटे अनाजों का सेवन जरूरी है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने भी मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के लिए श्री अन्न योजना की शुरूआत की, ताकि भारत मोटे अनाजों का सबसे बड़ा निर्यातक देश बन सके।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा मोटे अनाज के बीजों पर रिसर्च करने के लिए हैदराबाद में मिलेट्स रिसर्च सेंटर का निर्माण किया जा रहा है। ताकि हमारे वैज्ञानिक ऐसे बीजों की खोज कर सके जिससे किसानों को फसल का अधिक उत्पादन हो और उन्हें बचत भी ज्यादा हो सके।